भारत सरकार

ग्रामीण विकास मंत्रालय

भूमि संसाधन विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 288

दिनांक 30 नवंबर, 2021 को उत्तरार्थ

पनधारा विकास परियोजनाएं

288. डॉ. वेंकटेश नेता बोरलाकुंता:

श्री दयाकर पसुनूरी:

डॉ. जी. रणजीत रेड्डी:

श्रीमती कविता मलोथू:

क्या **ग्रामीण विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत तेलंगाना के लिए 330 पनधारा विकास परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि 200 से अधिक परियोजनाएं पूर्ण होने के लिए लंबित हैं और यदि हां, तो जिला-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) परियोजनाओं को पूरा करने में विलम्ब के क्या कारण हैं और छोड़ी गई परियोजनाओं को पूरा करने के लिए मंत्रालय द्वारा क्या प्रयास किए जा रहे हैं; और

(घ) उक्त परियोजनाओं पर अब तक व्यय की गई राशि का जिला-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री फग्गन सिंह कुलस्ते)

(क) से (घ) भूमि संसाधन विभाग ने तेलंगाना में पूर्ववर्ती एकीकृत वाटरशेड प्रबंधन कार्यक्रम (आईडब्ल्यूएमपी) के अधीन वर्ष 2009-10 से 2014-15 की अवधि के दौरान लगभग 13.99 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल को शामिल करते हुए 330 वाटरशेड विकास परियोजनाओं को स्वीकृत किया है। तदनन्तर, वर्ष 2015-16 में आईडब्ल्यूएमपी को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के वाटरशेड विकास घटक (डब्ल्यूडीसी-

पीएमकेएसवाई) के रूप में मिला दिया गया। तैयारी चरण की कुल 54 परियोजनाओं को वर्ष 2018 में राज्य को उनके अपने बजट से कार्यान्वित करने के लिए हस्तांतरित किया गया। इस प्रकार, भूमि संसाधन विभाग तेलंगाना राज्य में केवल 276 परियोजनाओं का वित्त पोषण कर रहा है।

इन 276 परियोजनाओं में से, तेलंगाना राज्य द्वारा 191 परियोजनाओं के पूरा होने की सूचना दी गई है। शेष 85 परियोजनाएं पूरा होने के अंतिम चरण में हैं।

कोविड-19 महामारी द्वारा उत्पन्न अनिश्चितता के कारण, राज्य नियोजित कार्यकलापों को पूरा नहीं कर पाया है। राज्य के पास (06.11.2021 की स्थिति के अनुसार) 67.26 करोड़ रुपए अव्ययित शेष राशि है, जिसका मार्च, 2022 तक इन परियोजनाओं को पूरा करने के लिए उपयोग किया जाएगा। भूमि संसाधन विभाग तेलंगाना के साथ स्कीम के कार्यान्वयन की प्रगति की नियमित रूप से समीक्षा कर रहा है। मुख्य सचिव/सचिव को अर्धशासकीय पत्र भेजे गए हैं। विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, राज्य स्तरीय नोडल एजेंसी (एसएलएनए) और उनके अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग तथा राज्य के फील्ड दौरे भी किए गए हैं। इन समीक्षाओं के दौरान, इन परियोजनाओं को पूरा करने पर हमेशा जोर दिया जाता रहा है।

तेलंगाना राज्य से प्राप्त सूचना के अनुसार, स्वीकृत परियोजनाओं, पूरी की गई परियोजनाओं और व्यय की गई धन राशि के जिला-वार ब्यौरे **अनुबंध** में दिए गए हैं।

अनुबंध

लोकसभा में दिनांक 30.11.2021 को उत्तर दिए जाने के लिए लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 288 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

तेलंगाना में स्वीकृत, पूरी की गई परियोजनाओं की संख्या तथा परियोजनाओं पर खर्च की गई निधि का जिला-वार विवरण

क्र. सं.	जिला	स्वीकृत की गई परियोजनाओं की संख्या	पूरी की गई परियोजनाओं की संख्या	व्ययित निधि (लाख रु. में)
1	आदिलाबाद	22	10	7572.2
2	भद्राद्री कोठागुडम	19	6	5027.37
3	जनगाँव	3	0	230.59
4	जोगुलाम्बा गद्वाल	12	9	2022.38
5	खम्मम	7	1	1092.94
6	कोमाराम भीम आसिफ़ाबाद	19	10	6435.89
7	महबूबाबाद	18	11	366.26
8	महबूबनगर	3	0	4386.94
9	मंचेरियल	11	7	3147.13
10	मेदक	11	5	3483.71
11	मुलुगु	7	0	648.91
12	नगरकरनूल	30	18	6482.2
13	नल्गोंडा	29	22	8701.69
14	नारायणपेट	15	8	2669.32
15	निर्मल	7	6	2414.09
16	राजन्ना सिरसिल्ला	1	0	0.09
17	रंगारेड्डी	28	19	6826.43
18	संगारेड्डी	20	17	6490.01
19	सिद्दिपेट	9	3	1520.32
20	सूर्यापेट	8	7	2366.91
21	विकाराबाद	25	17	8974.77
22	वानपर्ति	12	9	2582.85
23	हनमकोण्डा	2	0	3.95
24	वारंगल	1	0	354.3
25	यदाद्री भुवनगरी	11	6	1815.97
कुल		**330***	**191**	**85617.22**

** आंध्र प्रदेश तथा तेलंगाना के विभाजन के दौरान आंध्र प्रदेश को स्थानांतरित की गई 4 परियोजनाएं इसमें शामिल हैं।*

*****